...अब तक तय नहीं हुआ। में से किसी भी नाम पर सहमत नहीं था। किया जा सकता है।

कैंपस... सत्र शुरू होते ही सेंट्रल प्लेसमेंट टीम बनाएगी अंतिम वर्ष के छात्रों की लिस्ट

डीएवीवी में इस साल है 200 कंपनियां बुलाने का लक्ष्य, डेढ़ हजार से ज्यादा छात्रों का होगा प्लेसमेंट

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने 33 टीचिंग विभागों में प्लेसमेंट के लिए इस बार कॉमन प्रोग्राम तैयार किया है। खास बात यह है कि इसे पहले दिन से लागू किया जाएगा। सत्र शुरू होने के पहले ही दिन से सेंट्रल प्लेसमेंट की टीम यूजी, पीजी और इंटीग्रेटेड कोर्स के अंतिम वर्ष के छात्रों की सूची तैयार करना शुरू कर देगी। टीम हर विभाग में एक फैकल्टी और एक छात्र के जरिये हर अंतिम वर्ष के हर छात्र की सूची तैयार करवाएगी। इसमें छात्रों से पूछा जाएगा कि क्या वे प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल होना चाहते हैं? क्या वे जॉब के लिए शहर के बाहर जाने को तैयार हैं? क्या वे प्लेसमेंट के तहत होने वाली प्रक्रिया की ट्रेनिंग लेना चाहते हैं? ऐसे तमाम सवालों के आधार पर सूची बनेगी। जो छात्र प्लेसमेंट में शामिल होना चाहते हैं, उनकी सूची बनाकर सेक्टर के मुताबिक कंपनियों को भेजी जाएगी। यही नहीं जो छात्र ट्रेनिंग लेना चाहते हैं उन्हें मॉडल करियर सेंटर के जरिए यूनिवर्सिटी इन छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

इन विभागों पर ज्यादा फोकस • लाइफ साइंस, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, स्टैटिक्स, फिजिकल एजुकेशन, डेटा साइंस, इलेक्ट्रानिक्स, एनर्जी।

80% का टारगेट : आईएमएस, आईआईपीएस और आईईटी में

प्लेसमेंट सेल की तैयारी है कि आईआईपीएस, आईएमएस और आईईटी जैसे विभागों में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के जरिये 80 फीसदी तक प्लेसमेंट हो। अभी यहां औसत 60 फीसदी प्लेसमेंट होता है। फिलहाल प्लानिंग हो चुकी है। संभावना है कि इसे 1 अगस्त से लागू कर दिया जाएगा।

तैयारी : कम से कम डेढ़ हजार छात्रों को जॉब दिलाने और अधिकतम पैकेज बढ़ाने की मंशा

• यूनिवर्सिटी की तैयारी है कि इस साल अंतिम वर्ष में पढ़ रहे तीन हजार में से आधे छात्रों को कैंपस के जरिये जॉब दिलाया जाए। साथ ही अधिकतम और औसत पैकेज में भी इजाफा हो। 2018-19 में आईईटी के छात्र को 19 लाख का पैकेज मिला था। यह यूनिवर्सिटी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा पैकेज था। इससे पहले आईईटी के ही छात्र को 15 लाख रुपए का अधिकतम सालाना पैकेज मिला था।

• इस सत्र में आईटी सेक्टर में ही सबसे ज्यादा प्लेसमेंट हुए थे। इसके अलावा मैनेजमेंट भी अच्छी संख्या में प्लेसमेंट हुए थे। इसमें भी अधिकतम पैकेज 10 लाख रुपए तक रहा था। सबसे ज्यादा जॉब आईआईपीएस, आईएमएस, ईएमआरसी, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, डेटा साइंस विभाग के छात्रों को मिले।

अलग प्लानिंग: इस बार छात्रों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी

• खास बात यह रही कि 2019 बैच के पास आउट छात्रों के प्लेसमेंट के लिए 120 कंपनियां डीएवीवी कैंपस पहुंची थी। इस बार टारगेट 200 पार का है। इसमें सांवेर रोड और पीथमपुर के अलावा स्थानीय स्तर की कंपनियों को भी बुलाया जाएगा।

• सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के अवनीश व्यास और डॉ. निशिकांत वाइकर ने बताया पहली बार अलग प्लानिंग है। सालभर पहले पता रहेगा कि कौन-कौन छात्र प्लेसमेंट में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए ट्रेनिंग भी देंगे। पिछली बार 1100 छात्रों को जॉब मिली थी। इस बार टारगेट डेढ़ हजार का है।